



CLASS: II
SESSION NO :10
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: पाठ- 11
TOPIC : 'र' का प्रयोग (रेफ़ और पदेन)
SUB TOPIC: समान लय वाले शब्द, मात्रा का सही प्रयोग

CHANGING YOUR TOMORROW

अधिगम उद्देश्य

छात्रों में व्याकरणिक कुशलता के वृद्धि के साथ लेखन कौशल का विकास होगा





'र' के रूप

- * र का सामान्य रूप (स्वर के साथ)
- * रेफ़ $\underline{\text{र}}$ के रूप में (आधा र्)
- * पदेन (\wedge , /) रूप में (स्वर के बिना)

* र का सामान्य रूप (स्वर के साथ)

र् + अ = र

रमन

रथ

रस्सी



* रेफ़(र्)के रूप में (आधा र्)

ध + र् + म = धर्म

व + र् + षा = वर्षा



पदेन रूप की जानकारी

पदेन (\ , ^) - जब 'र' स्वर सहित (र् + अ = र) के रूप में होता है और ' र ' के पहले यदि स्वर रहित व्यंजन हो तो वह अपने पहले वाले वर्ण के साथ अर्थात् स्वर रहित व्यंजन के साथ जोड़ा जाता है और उस व्यंजन के पैर में लगाने के कारण उसे व्याकरण की भाषा में पदेन कहा जाता है



क्र प्र ख म्र द्र /

ट्र र्र ड्र ड्र ^



नए शब्द

च + क् + र = चक्र

ट् + र + क = ट्रक

ग् + रा + म = ग्राम

इ् + रा + मा = ड्रामा



भ् + र + म = भ्रम

ड् + र + म = ड्रम

श् + र + म = श्रम

प् + र + णा + म = प्रणाम



शब्द तथा उनके अर्थ

ग्राम

गाँव

प्रणाम

नमन

प्राण

जीवन

सम्राट

राजा



समान लय वाले शब्द लिखो

क्रम

ड्रम

धर्म

कर्म

श्रम

भ्रम

आर्य

कार्य

तर्क

फर्क



मात्रा का सही प्रयोग कर शब्दों को सही करो

सप

सर्प

पव

पर्व

चक

चक्र

टाली

ट्राली

पाण

प्राण



सीखने के प्रतिफल

छात्रों के लेखन कौशल में वृद्धि होगी।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL
GROUP